




- अनुपस्थित रहे हैं। तहसीलदार परबतसर ने अपने पत्राक राजस्व/1343 दिनांक 31.12.2019 के तहत मौका रिपोर्ट पेश की है।
3. प्रार्थी के प्रार्थना पत्र पर अधिवक्ता की बहस सुनी गई पत्रालयी एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेज एवं तहसीलदार परबतसर प्रस्तुत मौका रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। जमाबन्दी सम्वत 2070-73 के अनुसार ग्राम रूणीजा के खसरा नम्बर 641 रकबा 3.55 हैक्टर भूमि माहेन्द्रसिंह पुत्र अचलसिंह, 1/10 हिस्सा, जुगराजसिंह पुत्र जब्बरसिंह रकबा 0.5350 हैक्टर, भवरलला, परमाराम सोहनाराम पि. जगनाथराम 2.66 हैक्टर के नाम खातेदारी दर्ज रिकार्ड हैं। तथा खसरा नम्बर 640 की खातेदारी सम्पतसिंह पुत्र किशोरसिंह, रूघवीरसिंह पुत्र अनाडसिंह राजपूत के नाम दर्ज रिकार्ड थी जिसमें खातेदार सम्पतसिंह रघुवीरसिंह फौत होने पर जरिये विरासत उनके वारिसान के नाम खातेदारी दर्ज रिकार्ड की गई है। मौका रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी की खातेदारी सुदा भूमि खसरा नम्बर 641 में आने जाने हेतु कोई रास्ता नहीं होने व रास्ते का कोई भी विकल्प मौजूद नहीं होने से अप्रार्थीगण की खातेदारी सुदा भूमि खसरा नम्बर 640 में से उत्तरी सीव पर 425 लम्बाई गुण 6.5 फुट चौड़ा मार्क "ए" से "बी" रास्ता दिया जाना प्रस्तावित किया गया है। साथ में यह भी अंकित किया है कि उक्त अप्रार्थीगण की भूमि में से रास्ते में जाने वाली भूमि के बदले प्रार्थी ने अपनी खातेदारी भूमि खसरा नम्बर 641 में से अप्रार्थीगण को 2762.5 वर्ग फुट भूमि दे रखी है। दौराने बहस प्रार्थी के अधिवक्ता ने भी जाहिर किया है कि अप्रार्थीगण को रास्ते के बदले प्रार्थी अपनी खातेदारी से भूमि देने के लिये तैयार हैं।

उपरोक्त विवेचन के अनुसार यह सही है कि प्रार्थी की खातेदारी सुदा भूमि ग्राम रूणीजा के खसरा नम्बर 641 में आने जाने हेतु कोई रास्ता नहीं है न ही कोई रास्ते का विकल्प मौजूद है, तथा तहसीलदार की मौका रिपोर्ट में प्रस्तावित रास्ता दिया जाना सबसे उपर्युक्त है लेकिन प्रार्थी उक्त रास्ते में जाने वाली भूमि के बदले अप्रार्थीगण को मुआवजा राशि देने को तैयार नहीं हैं। रास्ते के बदले अपनी खातेदारी खसरा नम्बर 641 में से ही जितनी भूमि रास्ते में जा रही है उतनी भूमि अप्रार्थीगण को देने के लिये तैयार नहीं है। लेकिन राजस्थान काश्तकार अधिनियम 1955 की धारा 251ए में रास्ते की भूमि के बदले भूमि दिये जाने का कोई प्रावधान नहीं है, उक्त नियम के तहत रास्ते में जाने वाली भूमि के बदले वर्तमान डी.एल.सी.दर से गणना करते हुए दो गुणा राशि सम्बन्धित खातेदार को दिये जाने का प्रावधान है जिसके लिये प्रार्थी तैयार नहीं है। जिससे प्रार्थी चाही गई इस्तदुआ राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251ए के प्रावधानों के तहत नहीं होने से स्वीकार किये जाने योग्य नहीं है।

### आदेश

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251ए के प्रावधानों के तहत प्रार्थी को स्वीकार नहीं होने से खारिज किया जाता है। यह आदेश आज दिनांक 06.02.2020 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(मुकेश कुमार अधिवक्ता)  
उपखण्ड अधिवक्ता  
परबतसर